"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

01 दिसम्बर–31 दिसम्बर, 2025 | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 06 | पृष्ठः 08

संरक्षक
कर्नल डॉ0 बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

प्रकाशक
श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

संपादक
डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सम्पादकीय मण्डल
डॉ. राज नारायण पाण्डेय
डॉ. अनुराग सिंह
श्री क्षितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन
मानसी यादव, प्रिंस, निहारिका सिंह, सुगंधा तिवारी, सृष्टि सोनी, हर्षिता पाण्डेय, श्रेया मौर्या, शाम्भवी गुप्ता, विशाखा पाठक।

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।
Avadhuniversity@gmail.com

अवध विश्वविद्यालय की एनईपी सेमेस्टर परीक्षाएँ शुरू, कुलपति ने केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

अयोध्या, 02 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएँ मंगलवार से प्रारंभ हो गईं। परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर सात जनपदों के संबद्ध महाविद्यालयों में स्थापित परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कुलपति ने स्वयं कुछ परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के संचालन, सीट प्लान, प्रश्नपत्र वितरण व्यवस्था तथा परीक्षार्थियों की उपस्थिति की स्थिति का अवलोकन किया।

इसके साथ ही कुलपति ने विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रण कक्ष से सभी 508 परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता एवं गरिमा बनाए रखने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा किसी भी अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह।

परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि एनईपी के अंतर्गत आयोजित स्नातक एवं परास्नातक सेमेस्टर परीक्षाएँ निर्धारित समय पर सुव्यवस्थित रूप से प्रारंभ हो गई हैं और सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रही है। विवि के कुलपति द्वारा केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के संचालन, सीट प्लान, प्रश्नपत्र वितरण व्यवस्था तथा परीक्षार्थियों की उपस्थिति का अवलोकन भी किया गया।

कुलाधिपति के सहयोग से अवध विवि ने महिला शरणालय में जरूरतमंदों को बांटी शीतकालीन सामग्री

अयोध्या, 19 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में राजकीय महिला शरणालय, भीखापुर में रह रही संकटग्रस्त, निराश्रित एवं घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को शीतकालीन सामग्री वितरित की। यह सामग्री कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के उपरांत प्रदान की गई थी। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शरणालय में पहुंचकर गर्म कपड़े, रजाई और रूम हीटर जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों को भेंट किए। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय परिवार अपने नैतिक दायित्वों के तहत भविष्य में भी महिला शरणालय की महिलाओं और अनाथ बच्चों को सहयोग प्रदान करता रहेगा। उन्होंने कहा कि कुलाधिपति के विजन के अनुरूप नारी संरक्षण गृह में रह रहे सभी सदस्यों के पोषण और संरक्षण का दायित्व समाज का है।

महिला शरणालय में शीतकालीन सामग्री वितरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देती हुई राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल।

इस अवसर पर वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ला, उप–कुलसचिव अजय कुमार गौतम, डॉ. रीमा श्रीवास्तव एवं डॉ. दिनेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने विवि में किया धन संग्रह

अयोध्या, 09 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय परिसर में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। कैडेट्स ने कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह को बैज लगाकर धनराशि संग्रह अभियान की शुरुआत की तथा विभिन्न विभागों में जाकर शिक्षकों एवं अधिकारियों को बैज लगाकर सहयोग राशि एकत्र की। कंपनी कमांडर कैप्टन प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. नीलम पाठक सहित अनेक शिक्षक एवं छात्र प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कैडेट्स ने कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह को बैज लगाकर धनराशि संग्रह अभियान की शुरुआत की

“कोविदार”

01 दिसम्बर–31 दिसम्बर, 2025, पौष कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत् 2082

संतुलित विकास के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा आवश्यक: कुलपति

अवध विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ

अयोध्या, 08 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस '13वीं इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस 2025' का शुभारंभ हुआ। इंटरनेशनल साइंस कम्युनिटी एसोसिएशन एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू (नेपाल) की प्रो. सुशीला देवी श्रेष्ठ एवं बोत्सवाना विश्वविद्यालय के प्रो. गिरजा शंकर सिंह उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों पुरानी समृद्ध विरासत है, जो आध्यात्मिकता के साथ–साथ विज्ञान, कला, कृषि, सामाजिक व्यवस्था और जीवन–दर्शन के सभी आयामों को समाहित करती है। यह परंपरा छात्रों में नैतिकता, अनुशासन, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण का आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति नहीं, बल्कि समस्त मानवता का कल्याण है, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के भाव पर आधारित है।

कुलपति ने आधुनिक विकास की चुनौतियों पर भी चर्चा करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ संतुलित विकास आवश्यक है। प्रो. गिरजा शंकर सिंह ने कहा कि विज्ञान, तकनीक और कृषि भारतीय ज्ञान परंपरा के अभिन्न अंग रहे हैं।

उद्घाटन सत्र में इंटरनेशनल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड सहित विभिन्न विद्वानों को सम्मानित किया गया तथा कॉन्फ्रेंस की स्मारिका एवं पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन प्रो. एस.एस. मिश्र ने, संचालन प्रो. नीलम पाठक ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. फर्रुख जमाल ने किया। इस अवसर पर प्रो आशुतोष सिन्हा प्रो. सी के मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार अन्य मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अतिथि।

आईसीईएस–2025 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अवध विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धि

अयोध्या, 08 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज यूनिवर्सिटी, लखनऊ में आयोजित 7वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एनवायर्नमेंट एंड सोसायटी (आईसीईएस–2025) में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। 6–7 दिसंबर 2025 को आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश–विदेश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण एवं शोध संस्थानों के विद्वानों ने सहभागिता की।

पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी को उत्कृष्ट शैक्षणिक योगदान, शोध उपलब्धियों एवं नेतृत्व क्षमता के लिए इंडो–ग्लोबल इंटरनेशनल एक्सीलेंस अवार्ड–2025 से सम्मानित किया गया। विभाग की शिक्षिका डॉ. नमिता गुप्ता को शिक्षण उत्कृष्टता, शोध निर्देशन तथा निरंतर शैक्षणिक योगदान के लिए “बेस्ट फैकल्टी अवार्ड–2025” प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त विभाग की शोधार्थी अदिति बरनवाल ने अपने शोध की प्रभावी प्रस्तुति के लिए ओरल पेपर प्रेजेंटेशन में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

विश्वविद्यालय परिवार ने इन उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सम्मानित शिक्षकों एवं शोधार्थी को बधाई दी तथा इसे संस्थान की सुदृढ़ शैक्षणिक और शोध परंपरा का प्रतीक बताया।

आईसीईएस–025 में सम्मानित होते अवध विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शोधार्थी।

अवध विश्वविद्यालय में मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

अयोध्या, 06 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर 'महापरिनिर्वाण दिवस' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने बाबासाहेब के जीवन संघर्ष को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि उन्होंने वंचित समाज के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया तथा आर क्षण को सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संजय चौधरी ने की। इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबासाहेब के सामाजिक दर्शन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। संचालन आयुषी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिवांगी रावत ने किया।

एनईपी परीक्षाओं की सघन निगरानी, कुलसचिव ने दिए कड़े निर्देश

अयोध्या, 05 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय में एनईपी के अंतर्गत जारी स्नातक एवं परा. स्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं के चौथे दिन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने नियंत्रण क क्ष से 508 परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी मॉनिटरिंग की। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को नकल–विहीन एवं शुचितापूर्ण परीक्षा सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। अमेठी, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, बाराबंकी, अयोध्या, बहराइच और गोंडा जनपदों के केंद्र कंट्रोल रूम से जुड़े हैं।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

केपीआई के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कुलपति ने संयोजकों को दिए आवश्यक निर्देश

अयोध्या, 12 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में 'की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स' (केपीआइ) को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के तहत राज्य सरकार की गुणवत्तापरक एवं पारदर्शी उच्च शिक्षा की प्रतिबद्धता के अनुरूप विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली की नियमित निगरानी सुनिश्चित करना रहा। शासन द्वारा निर्धारित त्रैमासिक केपीआई आधारित डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाएगा।

कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध, नवाचार, छात्र सहभागिता और डिजिटल सुदृढ़ीकरण पर विशेष बल दिया जाना आवश्यक है। इससे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार होगा और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए छह प्रमुख बिंदुओं पर आधारित समिति का गठन किया गया है, जिनमें छात्र परिणाम एवं शैक्षिक प्रावधान, डिजिटल पहचान एवं आईटी एकीकरण, शोध–नवाचार एवं उद्योग सहयोग, सुशासन एवं सेवा वितरण, वित्त एवं मानव संसाधन प्रबंधन तथा गुणवत्ता एवं प्रत्यायन प्रगति शामिल हैं।

कुलपति ने अनुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण की आधारशिला बताते हुए सभी अधिकारियों से समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. शैलेंद्र कुमार सहित अनेक अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

अवध विवि में मानसिक स्वास्थ्य एवं यौन मुद्दों पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

अयोध्या, 13 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं

कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य वक्ता डॉ. आलोक मनदर्शन।

उद्यमिता विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं यौन मुद्दों पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य वक्ता डॉ. आलोक मनदर्शन ने तनाव प्रबंधन, अवसाद, आत्मविश्वास एवं यौन स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियों पर प्रकाश डाला। प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ समाज की नींव बताया, जबकि विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने इसे समय की आवश्यकता कहा। समन्वयक डॉ. राकेश कुमार ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में डॉ. निमिष मिश्रा, डॉ. आशुतोष पांडेय, डॉ. महेंद्र पाल सिंह, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. रवींद्र भारद्वाज, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. विवेक उपाध्याय, सुरज सिंह, पावनी, अंकिता सहित विभाग के समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मशरूम उत्पादन आत्मनिर्भरता और स्टार्टअप का सशक्त माध्यमः प्रो. रामनारायण

अयोध्या, 20 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में "एंटरप्रेन्योरशिप ऑपर्च्युनिटीज

माइक्रोबायोलॉजी विभाग में व्याख्यान को संबोधित करते प्रो. रामनारायण।

इन मशरूम प्रोडक्शन" विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के प्रो. रामनारायण ने कहा कि मशरूम उत्पादन युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता और स्टार्टअप का सशक्त माध्यम बन सकता है। उन्होंने बताया कि कम लागत, सीमित स्थान और स्थानीय संसाधनों के उपयोग से इसे सफल उद्यम के रूप में विकसित किया जा सकता है।

प्रो. रामनारायण ने मशरूम के वैज्ञानिक, तकनीकी एवं व्यावसायिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पोषण का समृद्ध स्रोत है। इसमें वसा की मात्रा अत्यंत कम होती है तथा लिनोलिक अम्ल जैसे असंतृप्त वसायुक्त अम्ल हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में मशरूम की मांग निरंतर बढ़ रही है और भारतीय संस्थानों को उन्नत तकनीकों को अपनाकर इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. तुहिना वर्मा ने कहा कि माइक्रोबायोलॉजी एवं जैव प्रौद्योगिकी जैसे विषय केवल शोध तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें उद्यमिता और रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आजाद पटेल एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रंजन सिंह ने किया। इस अवसर पर शिक्षक और बड़ी संख्या में प्रतिभागी एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रही।

कुलसचिव ने परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया

अयोध्या, 15 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलसचिव विनय कुमार सिंह एवं वित्त अधिकारी।

विश्वविद्यालय में एनईपी के अंतर्गत स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की जारी परीक्षाओं के क्रम में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ल भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान केंद्रों पर संचालित सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, परीक्षार्थियों की उपस्थिति पंजिका, प्रश्नपत्र वितरण व्यवस्था तथा कक्ष निरीक्षकों का सत्यापन किया गया।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि विश्वविद्यालय नकल–विहीन एवं पारदर्शी परीक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। सभी केंद्रों की सघन मॉनिटरिंग विश्वविद्यालय में स्थापित नियंत्रण कक्ष से की जा रही है। साथ ही परीक्षार्थियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्राध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

"कोविदार"

01 दिसम्बर–31 दिसम्बर, 2025, पौष कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत् 2082

आईपीआर नवाचार और तकनीकी प्रगति की आधारशिलाः कुलपति डॉ0 बिजेन्द्र

अवध विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर एक दिवसीय सेमिनार

अयोध्या, 02 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ सभागार में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने की। प्रमुख वक्ताओं में सनशैडो कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली की प्रेसिडेंट डॉ. मोनिका शुक्ला एवं वाइस प्रेसिडेंट विजय शर्मा शामिल रहे।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार मानव रचनात्मकता, आविष्कार, शोध, डिजाइन और ब्रांडों को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान तकनीकी युग में पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन जैसे अधिकार नवाचार की सुरक्षा के प्रभावी साधन हैं। आईपीआर न केवल शोधकर्ताओं को उनके कार्य का वैधानिक संरक्षण देता है, बल्कि संस्थानों और राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को भी सुदृढ़ करता है। भारत विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) का सक्रिय सदस्य है और वैश्विक मानकों के अनुरूप आईपीआर व्यवस्था को सशक्त बना रहा है।

डॉ. मोनिका शुक्ला ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में आईपीआर के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पेटेंट और कॉपीराइट रचनात्मकता एवं शोध को प्रोत्साहन देते हैं तथा अनाधिकृत उपयोग से सुरक्षा प्रदान करते हैं। विजय शर्मा ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आईपीआर की बढ़ती उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

आईपीआर सेमिनार में संबोधित करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं उपस्थित अतिथि।

आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर ने कहा कि आईपीआर नवाचार को बढ़ावा देकर निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीतिका श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर प्रो. नीलम पाठक, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फर्रुख जमाल, डॉ. शशिकला सिंह, डॉ. आशीष पांडेय सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

एनईपी परीक्षाओं के दूसरे दिन कुलसचिव का औचक निरीक्षण

अयोध्या, 03 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में एनईपी के अंतर्गत स्नातक एवं परास्नातक सेमेस्टर परीक्षाओं के दूसरे दिन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। कुंवर चन्द्रावती स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटसराय केंद्र पर उन्होंने सीसीटीवी संचालन, उपस्थिति पंजिका एवं कक्ष निरीक्षकों का सत्यापन किया। केंद्राध्यक्षों को नकल–विहीन एवं पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने, मिक्स सिटिंग प्लान तथा पर्याप्त दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए। विश्वविद्यालय कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की सघन मॉनिटरिंग कर रहा है तथा सचल दल तीनों पालियों में सक्रिय है। आज परीक्षा शांतिपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न हुई।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलसचिव विनय कुमार सिंह।

भित्ति चित्र एवं मूर्तिकला कार्यशाला का कुलपति ने किया निरीक्षण

अयोध्या, 09 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के मूर्तिकला विभाग में आयोजित सात दिवसीय भित्ति चित्र एवं मूर्तिकला कार्यशाला का निरीक्षण कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं के कार्य की सराहना करते हुए विभाग को विश्वविद्यालय का सबसे आकर्षक केंद्र बनाने का आश्वासन दिया। समन्वयक प्रो. सुरेंद्र मिश्रा ने सहयोग का आश्वासन दिया। संयोजक डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि अवध के कुम्हारों पर आधारित 3–डी भित्ति चित्र तैयार किए जा रहे हैं। आयोजन सचिव डॉ. रीमा सिंह ने कहा कि परिसर में कलात्मक संस्थापन स्थापित किए जाएंगे।

कार्यशाला का अवलोकन करते कुलपति एवं कला कृतियों में संलग्न छात्र–छात्राएं।

मानवाधिकार प्रत्येक मानव की प्राकृतिक गरिमा का प्रतीकः प्रो. राय

मानवाधिकार विश्व–नैतिकता का आधारः डॉ. अजय

अयोध्या, 10 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के विधि विभाग में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में मानवाधिकारों की सार्वभौमिकता, गरिमा और संरक्षण पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य वक्ता एवं विधि संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार राय ने कहा कि मानवाधिकार प्रत्येक व्यक्ति की प्राकृतिक गरिमा का प्रतीक हैं, जिन्हें राज्य न तो प्रदान करता है और न ही उनसे वंचित कर सकता है। उन्होंने भारतीय संविधान में निहित समता, न्याय और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों पर प्रकाश डाला।

मानवाधिकार दिवस संगोष्ठी में विचार व्यक्त करते प्रो. अशोक कुमार राय एवं उपस्थित शिक्षक–विद्यार्थी।

प्रो. अजय कुमार सिंह ने मानवाधिकारों को विश्व–नैतिकता का आधार बताया। डॉ. संतोष पाण्डेय, डॉ. विवेक सिंह एवं डॉ. वंदना गुप्ता ने मानवाधिकारों की रक्षा में नागरिकों की सक्रिय भूमिका पर बल दिया। संगोष्ठी में विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उच्चतम स्कोर के लिए नैक के प्रत्येक मानदंड का सघन परीक्षण आवश्यक: कुलपति

अवध विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक सम्पन्न

अयोध्या, 17 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य नैक मूल्यांकन के दृष्टिगत चल रही तैयारियों की प्रगति की समीक्षा करना था। एट्रीब्यूट–9 के विभिन्न बिंदुओं पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मानकों का परीक्षण किया गया।

बैठक में रिसर्च पब्लिकेशन, रिसर्च क्वालिटी, पीएचडी अवार्ड, रिसर्च फेलोशिप, कंसल्टेंसी, ट्रेनिंग एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) जैसी शोध गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कुलपति ने साक्ष्यों के लिए प्रमाणित पैटर्न अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि उच्चतम स्कोर प्राप्त करने हेतु सभी मानदंडों का गहन परीक्षण आवश्यक है। उन्होंने सभी संयोजकों को क्रमवार डेटा अधिकृत पत्रों के साथ संलग्न करने को कहा।

एट्रीब्यूट–9 का प्रस्तुतीकरण इं. नवीन पटेल तथा एट्रीब्यूट–11 का प्रस्तुतीकरण क्षितिज द्विवेदी एवं रत्नेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ल, प्रो. एस. एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक प्रो. सी के मिश्र, प्रो. फरुख जमाल, प्रो. अनुप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो कुमार चौधरी, प्रोग्रामर रवि मालवीय सहित शैलेंद्र कुमार, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र डॉ. विनोद शिक्षक एवं टीम सदस्य उपस्थित रहे।

नैक मूल्यांकन समीक्षा बैठक में दिशा–निर्देश देते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं उपस्थित अधिकारी।

उच्च गुणवत्ता और शोध उत्कृष्टता पर दें विशेष ध्यान: कुलाधिपति आनंदीबेन

अवध विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन तैयारियों की कुलाधिपति ने की समीक्षा

अयोध्या, 18 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में नैक मूल्यांकन की तैयारियों के संबंध में प्रदेश की कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एट्रीब्यूट–1 से एट्रीब्यूट–11 तक सभी मानदंडों पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

एट्रीब्यूट–1 के अंतर्गत पीओएस, सीओ, पीएसओ, एकेडमिक काउंसिल, फीडबैक मैकेनिज्म, सीबीसीएस, एनईपी एलाइनमेंट, भारतीय भाषा शिक्षण एवं सेमिनार गतिविधियों पर प्रस्तुति दी गई। एट्रीब्यूट–2 में लैब कार्य, शोध एवं सांस्कृतिक विरासत से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा हुई, जबकि एट्रीब्यूट–3 एवं 4 में वित्तीय प्राव्ध कोलैबोरेटिव लर्निंग, परीक्षा

नैक मूल्यांकन समीक्षा बैठक में अध्यक्षता करतीं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल एवं उपस्थित कुलपति व अधिकारी।

ाान एवं खेल गतिविधियों की समीक्षा की गई। एट्रीब्यूट–5 के अंतर्गत एलएमएस, प्रणाली एवं एकेडमिक ग्रीवेंस सेल की प्रगति प्रस्तुत की गई। एट्रीब्यूट–6 एवं 7 में छात्र परामर्श, क्लब गठन, ई–गवर्नेंस एवं शिकायत निवारण प्रणाली पर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।

एट्रीब्यूट–8 का प्रस्तुतीकरण प्रो. नीलम पाठक ने किया, जिसमें प्रवेश, सीट उपलब्धता, प्लेसमेंट एवं उत्तीर्ण प्रतिशत का विवरण रखा गया। एट्रीब्यूट–9 के अंतर्गत कुलाधिपति ने शिक्षकों को शोध परियोजनाओं, रिसर्च पब्लिकेशन, आईपीआर एवं गुणवत्ता उन्नयन पर विशेष ध्यान देने को कहा। एट्रीब्यूट–10 एवं 11 के मानदंडों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके उपरांत कुलाधिपति ने जिला प्रशासन एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध पूर्णता के निर्देश दिए।

छात्रों ने कार्यशाला में दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

अयोध्या, 05 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के मूर्तिकला विभाग

में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में सात दिवसीय भित्ति चित्र एवं मूर्तिकला कार्यशाला आयोजित की जा रही है। संयोजक डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि छात्र–छात्राएं विभाग को अलंकृत करने के साथ निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कलात्मक कृतियां तैयार कर रहे हैं। "एक विद्यार्थी दृएक वृक्ष" अभियान के तहत प्रत्येक छात्र एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करेगा। पहले दिन साफ–सफाई एवं दीवारों की मरम्मत की गई, जबकि दूसरे दिन भिति चित्रांकन हेतु रेखांकन कार्य संपन्न हुआ। आयोजन सचिव डॉ. रीमा सिंह सहित विभागीय शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

अवध विवि में सरदार पटेल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

अयोध्या, 15 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के वशिष्ठ परिसर स्थित सरदार पटेल राष्ट्रीय एकात्मकता केंद्र में भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। शिक्षकों ने उनके राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान को स्मरण करते हुए बताया कि उन्होंने खंड–खंड में बँटे भारत को एकसूत्र में पिरोकर मजबूत राष्ट्र की आधारशिला रखी। छात्र–छात्राओं को उनके

जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. शैलेन वर्मा सहित अन्य शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी में पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करें: कुलपति

पारदर्शी परीक्षा संचालन के लिए विश्वविद्यालय में केन्द्राध्यक्षों के संग बैठक सम्पन्न

अयोध्या, 01 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक सभागार में 02 दिसम्बर की विश्वविद्यालय परीक्षाओं को लेकर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कुलपति ने सभी विभागाध्यक्षों एवं संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यों को सूचितापूर्ण एवं पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में ऑनलाइन माध्यम से केंद्राध्यक्ष भी जुड़े रहे।

परीक्षा संबंधी बैठक को संबोधित करते कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं उपस्थित अधिकारी।

कुलपति ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा कराई जाए तथा कक्ष निरीक्षकों के आई–कार्ड और आधार कार्ड अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों। मिक्स सिटिंग प्लान लागू करते हुए एक ही विषय के विद्यार्थियों को साथ न बैठाने के निर्देश दिए गए। प्रश्नपत्र परीक्षा से एक घंटे पूर्व नोडल केंद्र से प्राप्त कर परीक्षा उपरांत उत्तर पुस्तिकाएं वहीं जमा कराने को कहा गया। 508 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा तीन पालियों में संपन्न होगी। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी, प्रो. संत शरण मिश्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

परीक्षा केंद्रों का कुलसचिव ने किया औचक निरीक्षण

अयोध्या, 04 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में एनईपी के अंतर्गत स्नातक तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा परास्नातक तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं के तीसरे दिन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने डॉ. राम प्रसन्न मणि सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरायरासी सहित अन्य केंद्रों का निरीक्षण कर सीसीटीवी संचालन, उपस्थिति पत्रक, प्रवेश पत्र एवं वेरिफिकेशन फॉर्म का मिलान किया तथा कक्ष निरीक्षकों का सत्यापन किया।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि कुलपति के निर्देशानुसार सभी केंद्रों पर नकल–विहीन एवं पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित की जा रही है। केंद्राध्यक्षों को परीक्षार्थियों हेतु मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। सचलदल द्वारा औचक निरीक्षण किया जा रहा है।

अवध विश्वविद्यालय एवं हार्टफुलनेस एजुकेशनल सोसाइटी के बीच एमओयू हस्ताक्षरित

अवध विश्वविद्यालय में छात्रों के समग्र विकास के लिए हार्टफुलनेस शिक्षा की नई पहल

अयोध्या, 24 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय और हार्टफुलनेस एजुकेशनल सोसाइटी, हैदराबाद के मध्य कुलसचिव कार्यालय में एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के विशेष प्रयास और मार्गदर्शन से यह समझौता सम्पन्न हुआ। एमओयू में सोसाइटी के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अरुण तिवारी और कुलसचिव विनय कुमार सिंह की उपस्थिति रही।

इस अनुबंध से विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों और शिक्षकों के समग्र विकास के साथ–साथ संतुलित जीवन और सकारात्मक मानसिक वातावरण को बढ़ावा देना है। इसके तहत ध्यान, योग, व्यक्तित्व निर्माण, आध्यात्मिक उन्नयन, सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। डॉ. अरुण तिवारी ने कहा कि आज की परीक्षा–केंद्रित शिक्षा प्रणाली में छात्रों पर अत्यधिक दबाव होता है। हार्टफुलनेस अभ्यास उन्हें मानसिक शांति, एकाग्रता और भावनात्मक सुदृढ़ता प्रदान करता है, जिससे वे न केवल शैक्षणिक रूप से बल्कि जीवन के अन्य आयामों में भी सशक्त बनते हैं।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि इस अनुबंध से शिक्षकों को छात्रों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ उनके संतुलित विकास में योगदान देने का अवसर मिलेगा। शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान विभाग के निदेशक प्रो. एस. एस. मिश्र ने अनुबंध को मूर्त रूप प्रदान किया। इस अवसर पर आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. पी. के. द्विवेदी, सेंटर कोऑर्डिनेटर राम मिलन मिश्रा, कॉर्डिनेटर सी. पी. त्रिपाठी और हर्टफुलनेस कैंपस की डॉ. नम्रता सिंह भी उपस्थित रहे।

एमओयू हस्ताक्षर के अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय एवं हार्टफुलनेस सोसाइटी के पदाधिकारी।

अवध विश्वविद्यालय में अटल बिहारी बाजपेई की जयंती पर कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता

अयोध्या 24 दिसंबर, 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सिंधी अध्ययन केंद्र में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की जन्मदिवस पूर्व संध्या पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कविता पाठ एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। प्रो. सुरेन्द्र मिश्र ने बाजपेई की सरकार के सुशासन, पारदर्शिता और सामाजिक सम.नता जैसे योगदानों पर प्रकाश डाला। प्रो. नीलम पाठक ने उनके सरल, राष्ट्रवादी व्यक्तित्व एवं कवि और वक्ता के रूप में योगदान को याद किया। प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने उनके वैश्विक नेतृत्व और दृढ़ राजनीति की सराहना की। डॉ. अंकित मिश्र ने अटल बिहारी बाजपेई को भारतीय राजनीति के अजातशत्रु और राष्ट्रवादी कवि के रूप में याद किया। इस अवसर पर छात्रा मंजू शर्मा, सुनैना यादव और दिव्यांश तिवारी ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन वैष्णवी और मीनाक्षी ने किया।

अवध विश्वविद्यालय में भारतीय वायु सेना इंडक्शन पब्लिसिटी ड्राइव का सफल आयोजन

विंग कमांडर मनीष वर्मा ने छात्रों को वायु सेना में करियर के अवसरों से किया परिचित

अयोध्या 01 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द सभागार में विश्वविद्यालय एवं सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय वायु सेना द्वारा इंडक्शन पब्लिसिटी ड्राइव आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में हुआ।

मुख्य अतिथि विंग कमांडर मनीष वर्मा ने छात्रों को वायु सेना में करियर बनाने के अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने एनडीए, सीडीएस एवं एफकैट के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया समझाई और कहा कि सभी स्ट्रीम के छात्र देश सेवा में शामिल हो सकते हैं। विंग कमांडर ने भारतीय वायु सेना के मिशन, 1971 के भारत–पाक युद्ध में वीरता, ऑपरेशन 'मनसा–वाचा–कर्मणा' एवं परमवीर चक्र के विजेताओं के अदम्य साहस पर प्रकाश डाला। पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रों को वायु सेना की आधुनिक निगरानी प्रणाली, रडार एवं संयुक्त ऑपरेशन 'सिंदूर' से परिचित कराया। इसके साथ ही छात्रों के लिए क्विज का आयोजन कर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। प्रो. फर्रुख जमाल ने वायु सेना के योगदान और सुरक्षा कवच के महत्व को बताया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने किया। इस अवसर पर आशीष मिश्र, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. सुधीर सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने छात्रों में वायु सेना में करियर बनाने के प्रति उत्साह और देशभक्ति की भावना को प्रबल किया।

स्वामी विवेकानंद सभागार में विंग कमांडर मनीष वर्मा व अन्य ऑफिसर छात्रों को भारतीय वायु सेना में कॅरियर से परिचित कराया।

अवध विश्वविद्यालय की दीपांशी सिंह ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड मेडल जीता

अयोध्या 02 दिसंबर 2025। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय की एथलीट

दीपांशी सिंह गोल्ड मेडल जीतकर अवध विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक सफलता हासिल करती हुई।

दीपांशी सिंह ने महिला वर्ग की लंबी कूद इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर नया इतिहास रच दिया। दीपांशी सिंह ने कुल 6.20 मीटर की छलांग लगाते हुए सभी प्रतियोगियों को पीछे छोड़ते हुए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। गत वर्ष भी उन्होंने यही उपलब्धि हासिल की थी। दीपांशी सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध राम नेवाज सिंह महाविद्यालय, बावन, कुमारगंज की छात्रा हैं। प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय के कॉन्टिजेंट मैनेजर डॉ. मनीष सिंह उपस्थित रहे।

गोल्ड मेडल जीतने पर विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने दीपांशी सिंह को बधाई देते हुए कहा, "महिला एथलीट दिन–प्रतिदिन सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं और राष्ट्रीय खेल पटल पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रही हैं। उनकी यह सफलता महिला सशक्तिकरण का भी उत्कृष्ट उदाहरण है।"

क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि कुलपति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एथलेटिक्स ट्रैक के साथ इंडोर और आउटडोर गेम्स के लिए कोर्ट और ग्राउंड विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, "छात्राओं को उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए प्रशिक्षित करना हमारी प्राथमिकता है।"

दीपांशी की उपलब्धि पर क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्द्र शुक्ला, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, मुख्य कुलानुशासक प्रो. एस.एस. मिश्र, प्राचार्यगण और विश्वविद्यालय के शिक्षकगण हर्ष व्यक्त करते हुए उपस्थित रहे।

क्रीड़ा विभाग ने घोषणा की कि गोल्ड मेडल विजेता दीपांशी सिंह को विश्वविद्यालय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि न केवल खेलों में विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है, बल्कि छात्राओं में आत्मविश्वास और प्रेरणा भी उत्पन्न करती है।

अवध विश्वविद्यालय में आयुर्वेद और नेचुरोपैथी पर फ्री डायग्नोसिस एवं ट्रीटमेंट शिविर लगाया गया

अयोध्या 22 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सिंधी अध्ययन केंद्र में श्री मराडपीर दादा चौरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई एवं विश्वविद्यालय के एप्लाइड साइकोलॉजी और प्रौढ़ एवं सतत प्रसार शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में फ्री डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शांघवी महेश ने आयुर्वेद और प्राकृतिक उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल बीमारी का इलाज नहीं करता, बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ बनाता है।

प्रो. अनूप कुमार ने नेचुरोपैथी की महत्ता बताते हुए कहा कि शरीर में खुद को ठीक करने की क्षमता होती है, बस सही वातावरण और आहार की आवश्यकता है। प्रो. फर्रुख जमाल ने कहा कि अनुशासित दिनचर्या और प्राकृतिक आहार शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाते हैं और भविष्य में होने वाली बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि

विवि के एप्लाइड साइकोलॉजी और प्रौढ़ एवं सतत प्रसार शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में फ्री डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट शिविर

प्राकृतिक उपचार जड़ी–बूटियों और पोषक तत्वों के माध्यम से व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाता है।

शिविर में जॉइंट, स्पाइन, सर्वाइकल, कमर दर्द और अन्य रोगों से पीड़ित लोगों का परीक्षण और उपचार किया गया। इस अवसर पर राजकुमार मोटवानी, ओमप्रकाश ओमी, डॉ. प्रतिभा, डॉ. सरिता, त्रिपाठी, रत्नेश यादव, कपिल कुमार, अमन सिंह और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

"कोविदार"

01 दिसम्बर–31 दिसम्बर, 2025, पौष कृष्ण–एकादशी विक्रम संवत् 2082

कैंपस बुलेटिन

- 15 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय में नैक मूल्यांकन की तैयारियों पर हाइब्रिड बैठक सम्पन्न।
- 21 दिसम्बर, 2025। अवध विश्वविद्यालय में अस्मिता किक बॉक्सिंग लीग का भव्य आयोजन।
- 22 दिसम्बर, 2025। सिंधी अध्ययन केंद्र में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन।
- 22 दिसम्बर, 2025। एनसीसी कैडेट्स ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और जन–जागरूकता अभियान चलाया।
- 17 दिसम्बर, 2025। सत्र 2025–26 की प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं 20 दिसंबर से स्थगित, अब 08 जनवरी 2026 से आरंभ होंगी।
- 22 दिसम्बर, 2025। अवध विश्वविद्यालय में आयुर्वेद और नेचुरोपैथी पर आधारित फ्री डायग्नोसिस एवं ट्रीटमेंट शिविर।

अवध विवि में अंतर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न

अयोध्या 09 दिसंबर 2025। अवध विश्वविद्यालय के अरुणिमा सिन्हा स्टूडेंट एमिनिटी सेंटर में अंतर महाविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न हुई। पुरुष एवं महिला वर्ग के मुकाबले कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में हुए। छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीलम पाठक ने कहा कि निरंतर अभ्यास और तकनीक सुधार से सफलता मिलती है। क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों के राष्ट्रीय स्तर पर

पदक जीतने की सराहना की। पुरुष और महिला वर्ग में विश्वविद्यालय आवासीय परिसर विजेता रही। प्रतियोगिता का संचालन डॉ. अनुराग पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, डॉ कपिल कुमार राणा, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ.त्रिलोकी यादव, डॉ. राजेश सिंह, डॉ.मनीष सिंह, डॉ.रवीन्द्र शुक्ला, संघर्ष सिंह, देवेन्द्र कुमार वर्मा,कुमार मंगलम सिंह, डॉ.मोहिनी पाण्डेय, शिव कुमार सिंह सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

रामानुजन के सूत्र आज भी शोध का विषय हैंः प्रो. एसएस मिश्र

अयोध्या 22 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग में राष्ट्रीय गणित दिवस 2025 मनाया गया। कार्यक्रम में डीन प्रो. एस एस मिश्रा ने गणित के क्षेत्र में श्रीनिवास रामानुजन के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने हार्डी–रामानुजन संख्या, मॉक थीटा फंक्शन, अनंत श्रेणी और संख्या सिद्धांत जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उनके कार्यों की महत्ता को बताया।

प्रो. सी के मिश्रा ने कहा कि रामानुजन ने 3900 से अधिक सूत्र और प्रमेय प्रस्तुत किए, जो आज भी गणितज्ञों के लिए शोध का विषय हैं। डॉ. पी.के. द्विवेदी और डॉ. अभिषेक सिंह ने भी रामानुजन की प्रतिभा और अभूतपूर्व योगदान पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में गणित एवं सांख्यिकी विभाग में क्विज प्रतियोगिता, मौखिक प्रतियोगिता और अन्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। मौखिक प्रतियोगिता में सृष्टि सोनी, मंतशा और सानिया ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में सृष्टि, प्रखर, पवन, खुशी, मंतशा, सानिया, देवेश, शिखा, रोहन और विशाल विजेता रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना से हुई। इस अवसर पर विभाग के समस्त शोधार्थी, परास्नातक छात्र–छात्राओं और गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सृष्टि सोनी ने किया।

अवध विश्वविद्यालय में छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर आयोजित

अयोध्या 11 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जिडा फार्मास्यूटिकल्स,

मुंबई के तत्वावधान में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के विशेष निर्देशन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने बताया कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए रोजाना कम से कम 60 मिनट की शारीरिक गतिविधि आवश्यक है। इसमें खेल, जॉगिंग, योग, साइकिलिंग और डांसिंग शामिल हो सकते हैं। स्क्रीन टाइम को सीमित रखने और पोषण युक्त आहार जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त भोजन पर ध्यान देने की सलाह दी गई।

स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉ. दीपशिखा चौधरी ने हीमोग्लोबिन अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत 118 स्टूडेंट्स और फैकल्टी की जांच की। इसमें 68 टीनएज लड़कियों का परीक्षण किया गया, जिनमें 20 प्रतिशत में हल्का एनीमिया पाया गया। डॉ. चौधरी ने आयरन सप्लीमेंटेशन और आहार सुधार पर काउंसलिंग दी। इस अवसर पर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. महेंद्र पॉल सिंह और अमरनाथ पांडेय उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के 70वें महापारिनिर्वाण दिवस पर विवि में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी

अयोध्या 06 दिसंबर 2025। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के 70वें महापारिनिर्वाण दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ।

कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा ने अंबेडकर को समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, कानून. विद एवं राजनेता बताते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने दलितों, पिछड़ों और वंचितों के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय की दिशा में जीवन पर्यन्त संघर्ष किया।

प्रो. फरुख जमाल ने कहा कि अंबेडकर के विचार केवल किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रासंगिक हैं। प्रो . नीलम पाठक ने अंबेडकर को सामाजिक न्याय के महान शिल्पकार बताते हुए युवाओं से उनके सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। प्रो. प्रिया कुमारी ने कृषि क्षेत्र में उनके दूरदर्शी योगदान की चर्चा की। डॉ. रचना श्रीवास्तव ने उन्हें कमजोर वर्गों के लिए साहस और दिशा प्रदान करने वाला व्यक्तित्व बताया। डॉ. अनिल कुमार सिंह ने युवाओं को उनके संदेश "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" को जीवन में अपनाने का सुझाव दिया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए आचार्यगण।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं, शोधार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।